

# कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

गायत्री मठपाल

शोधार्थी (शिक्षा विभाग)

नीलम यूनिवर्सिटी हरियाणा

डॉ संजय कुमार

असस्टेंट प्रोफेसर

विभाग शिक्षा शास्त्र नीलम यूनिवर्सिटी हरियाणा

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

कार्य सन्तुष्टि का एक तुलनात्मक अध्ययन

ले; दस लकफ फ्रकक एा 0; कि द : i l s cnyko gg ग्रा फल दस फुलरज त्कjh j [kus ds fy, l ekt dks ; kx; v/; ki dks dh vko"; drk gS vkt ijk fo"o cktkj ds : i es fn [kkbz nrk gA , s s ea l e; kuq i vPNh f"rkk inku djus ds fy, "रक्षक का उत्कृष्ट होना अति आव"; d ग्रा फल l s Hkko: i h<h dks l gh f"rkk ds l kfk gh l gh ekxh"ku i klr gks l dA

फ्रकक d dk vkpj .k vksj ml dk f"rkk .k dks"ky fo | kfkz ka ds fy, nizk dk dk; Z djrk gA fti ea mlga vi uk v{k fn [kkbz nrk gA , d vPNk v/; ki d vi us fo | kfkz ka ds fy, jksy ekMy dh rjg gsrk gA bl fy, f"rkk dks pkfj=d vksj ufrd : i l s mPp ekunMka dk gskuk vko"; d gA D; kfd l ekt द्वारा अपने नौनीहालो को बिना किसी शंका और भय के उनके हवाले करना होता है। अच्छे अध्यापक ge"kk l s gh l ekt ea vkn"k ds rksj ij jga gS ftuds 0; fDrRo dk i Hkko fo | kfkz ka ij cgr v/kd jgk gA

gjcVl ds vuq kj ppfj= fuekz k f"rkk dk eq; mnns"; gS vksj bl mnns"; dh ifrl ds fy, अध्यापक अपने व्यक्तित्व का प्रयोग करता है।" अगर अध्यापकों में अपने व्यवसाय के प्रति कार्य सन्तुष्टि की Hkko: gksxh rks os i kiz euks ks l s vi uk f"rkk .k dk; Z vksj nkf; Ro dk fubgu i kiz euks ks l s dk l dsx vksj ; fn f"rkkों में कार्य सन्तुष्टि का अभाव होगा तब वे पूर्ण मनोयोग से f"rkk .k dk; Z dks l Eikfnr djua ea vl efkz gksxA

bl fy, ns"k ds ufr fuekz k vka dks ; g /; ku nus dh vko"; drk gS fd f"rkk inku djuk dny , d 0; ol k; ugh gS cfYd l ekt : ih Hkou dh vk/kj f"rkk gS fti dk etar gskuk vfr vko"; d gS l jdkj ka dks bl vksj /; ku nus dh vko"; drk gS fd , d l pM+ f"rkk 0; oLFkk ds fy, dkepykA ] vfrfk f"rkkको की नही बल्कि स्थायी और व्यवसायी रूप से सन्तुष्ट अध्यापकों की आव"; drk gS tks l ekt dks l gh ekxh"ku inku dj l dsA

शकक dk vkfpr; & f"रक्षा मनुष्य के जीवन में उन्नति का प्रमुख आधार है। परन्तु दुर्भाग्य है कि जिस ns"k us dHkh l d kj ea fo"o xq dk xks o gk"ky fd; k FkA tgka x: vka ds l Eekku dh vuq e ijEijk jgh gks ogka vkt f"rkk dks ts s gk"k; a ij /kdsy fn; k x; k gA f"rkk dks l okPp i kfkfedrk uk nus ds l jdkjh pyu us f"rkk ds cktkjhdkj .k dks c<kok fn; k gS fti ds dkj .k vl; 0; ol k; ka dh l ki s k f"rkk .k dk; Z ea de l fo/kk, a vksj l Eeku fey ij jgk gS fti l s f"रक्षकों में कार्य सन्तुष्टि कम पायी जा jgh gA

फ्रकक }kj fo | kfkz ka vksj l ekt dk ekxh"n होता है। यह शोध समाज में सभी को दि"kk inku djsk rfk ufr fuekz k vka dks f"rkk dka dh l el; kvka dh tkudjh fey l dsxhA fti l s f"rkk dka dh l el; kvka का समाधान करने में उन्हें मदद मिल सकेगी। इस शोध से f"rkk dka dks Hkh vkRefu; U=.k dh l h [k feyxh fti l s mlga f"rkk .k dk; Z dks : fpdj cukua ea enn fey l dsxhA Hkko: f"रक्षकों को कार्य सन्तुष्टि के बारे ea tkudjh i klr gks l dsxhA

शोध का उद्देश्य

शोधकर्ता ने शोध के अधोलिखित दो उद्देश्य निर्धारित किये हैं।

- ❖ I jdkjh व गैर सरकारी शिक्षकों शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मापन करके तुलनात्मक अध्ययन djukA
- ❖ i q 't शिक्षको और महिला शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि का मापन करके तुलनात्मक अध्ययन करना।

i fj dYi uk, W

शोधकर्ता ने शोध के अधोलिखित दो शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया है।

- ❖ सरकारी तथा गैर सरकारी शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि के फलांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं gkrk gA
- ❖ i q 't शिक्षको और महिला शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि के फलांको के मध्यमानों में कोई सार्थक vlrj ugh gkrk gA

न्यायदर्भा

शोधकर्ता ने vi us v/; ; u dks i wkZ djus ds fy, 8 I jdkjh ek/; fed fo |ky; rFkk 6 xj I jdkjh ek/; fed fo |ky; ds f"kkd f"fkdkvka dk ; knfPNd p; u fd; k x; kA

Lkkj . kh 1

शिक्षक	सरकारी शिक्षक / शिक्षिका	गैर सरकारी शिक्षक / शिक्षिका	dy
	30	30	60

Lkkj . kh 2

शिक्षक	i q 't शिक्षक	महिला शिक्षिकाएँ	dy
	30	30	60

mi dj . k

शोध अध्ययन में सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्रित करने के लिए शोध विषय के अनुरूप उपकरण माध्यमिक शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि प्रमापनी का उपयोग किया गया जो लिंकट के

मध्यमिक शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि प्रमापनी –यह माध्यमिक शिक्षकों को कार्य सन्तुष्टि जानने के लिए प्रमापनी का उपयोग किया गया। उपकरण की विश्वसनीयता परिक्षण पुनः परिक्षण

सन्तुष्टि को व्यक्त करता है। इस प्रमापनी में 5, 4, 3, 2, 1 स्तरों पर अंकित किया गया है।

अंकन प्रणाली का चयन करने हेतु न्यायदर्श अध्यापक व अध्यापिकाओं को प्रतिदर्श विषय पर सहमत या असहमत पर अपनी सर्वाधिक सन्तुष्टि के अर्थ पर चिन्ह लगाने को कहा गया। इन्हीं चिन्हों के आधार

रिक्त	5	4	3	2	1
अनिश्चित	5	4	3	2	1

लिंकट पद्धति के आधार पर यदि कोई शिक्षक शिक्षिका धनात्मक कथन से पूर्णतः सन्तुष्ट है तो उसे पाँच

इस प्रकार पूर्णतः सहमति, सहमत अनिश्चित असमहत् तथा पूर्णतः असमहत् के आधार पर आये अंको का

योग किया गया जो इन शिक्षक शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि का मान होगा

## शिक्षक शिक्षा अधिकारी द्वारा अनुमति प्राप्त करने के

शोधकर्ता ने खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अनुमति प्राप्त करने के लिए शोध के बारे में जानकारी देकर उनसे अनुसूची भरकर देने का निवेदन किया। कुछ शिक्षक शिक्षिकाओं ने उसी समय अनुसूची भरकर दे दी और कुछ शिक्षक शिक्षिकाओं ने इस प्रकार शोधकर्ता ने एक सप्ताह में उपकरण का प्रशासन कर

## पदत्यों का सांख्यिकीय विभ्लेशन

पदत्यों का सर्वप्रथम वर्गीकरण और सारणीकरण किया गया जिससे शोध कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न हो

विद्यालयों के 60 शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि को मापने के लिए एक कार्य सन्तुष्टि मापनी

प्राप्त प्राप्तांको का विश्लेषण स्वतंत्र

1 सरकारी गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि के मध्यमान मानक

fo ky; ds   d; k	e/; eku	Ekkud fopyu	T eku	LorU=rk dh dk\h %d.f)	I kFkdrk Lrj	
I jdkjh	30	85]48	6]70	8.06	58	]05
x\$ I jdkjh	30	71]63	7]01			

गणना के पश्चात t dk eku LorU=rk dh dk\h ea 8.06 iklr gqk tks LorU=rk dh dk\h 58 ds fy, 0.05 I kFkdrk ds Lrj ij t rkydk dk eku 2.00 I s vf/kd gA

vFkkzr t dk eku LorU=rk dh dk\h 58 ds fy, I kFkdrk ds Lrj 0.05ij I kFkd g&vr(0.05 सार्थकता के स्तर पर शून्य परिकल्पना निरस्त होती है।

vFkik; ( ; g g\$fd 0.05 I kFkdrk ds Lrj ij I jdkjh vk\$ x\$ I jdkjh ek; fed fo|ky; ka ds f" k{kdka dh dkry सन्तुष्टि के मध्यमानों में सार्थक अन्तर है। इसलिए शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है।

1 शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का स्तर अधिक प्राप्त हुआ।

fo   ky; ds   a[; k i dkj	e/; eku	Ekkud fopyu	T eku	LorU=rk dh dk\h %d.f)	I kfkdrk Lrj	
1 j dkjh	30	85]48	6]70	8.06	58	]05
x\$ 1 j dkjh	30	71]63	7]01			

2. पुरुष माध्यमिक शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन –

शिक्षक %dk\h	e/; eku	Ekkud fopyu	T eku	LorU=rk dh dk\h %d.f)	I kfkdrk Lrj	
i q 'k	30	84.46	5.94	0.99	58	]05
efgyk	30	71]63	4.76			

गणना के पश्चात  $t_{dk\ eku} = 0.99$  और  $t_{LorU=rk\ dh\ dk\h\ 58} = 0.05$ ।  $t_{I\ kfkdrk\ ds\ Lrj} = 2.00$ ।

$t_{dk\ eku} = 0.99$  और  $t_{LorU=rk\ dh\ dk\h\ 58} = 0.05$ ।  $t_{I\ kfkdrk\ ds\ Lrj} = 0.05$ ।

$t_{I\ kfkdrk\ ds\ Lrj} = 0.05$ ।

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के कार्य सन्तुष्टि के मध्यमानों में सार्थक अन्तर प्रतीत नहीं

गया।

लघु शोध की प्रथम परिकल्पना सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि के फलांको में सार्थक अन्तर नहीं है निरस्त हुई – अर्थात् सरकारी माध्यमिक शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि स्तर गैर सरकारी माध्यमिक शिक्षकों के कार्य सन्तुष्टि स्तर से अधिक पाया गया ऐसा होने के निम्न कारण हो सकते हैं–

सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन, महगॉई भत्ते तथा पेंशन की सुविधाएं आदि सुविधाओं के मिलने से वे भविष्य के प्रति निश्चित रहते हैं। नौकरी में स्थायित्व व्यक्ति को जीवन में निश्चितता प्रदान करता है।

सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में प्रयाप्त प्रशिक्षित शिक्षकों के होने से कामकाज का स्तर बढ़ता है। तथा सरकारी मशीनरी के उपयोग की सुविधा भी उन्हें प्राप्त होती है। इसके विपरीत गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों व शिक्षिकाओं को वेतन, भत्ते, आदि सुविधाएं कम प्राप्त होती हैं और वेतन भी नहीं होता। गैर सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का स्तर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की अपेक्षा कम प्राप्त हुआ।

लघु शोध की द्वितीय परिकल्पना नैनीताल जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरुष, महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के फंलाकों के मध्यमानों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है स्वतन्त्रता के सार्थकता त्रिज्या 0.05 पर परिकल्पना ग्राह्य है। माध्यमिक शिक्षक एवं महिला माध्यमिक शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि स्तर में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ऐसा होने के निम्न कारण संभव हैं—

शिक्षण में महिलाओं की शिक्षा में भागीदारी बढ़ गयी है विभिन्न शिक्षक पदों के लिए उन्हें पर्याप्त आरक्षण प्राप्त है। इससे उनकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा के साथ ही स्वावलम्बन की भावना में भी वृद्धि हुई है। इससे उनकी कार्य संतुष्टि के स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ऐसा होने के निम्न कारण संभव हैं—

### निष्कर्ष

सरकारी माध्यमिक शिक्षकों का कार्य संतुष्टि स्तर गैर सरकारी माध्यमिक शिक्षकों की कार्य संतुष्टि स्तर से अधिक है। सरकारी माध्यमिक शिक्षक एवं महिला सरकारी माध्यमिक शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

### शैक्षिक निहितार्थ

शोध प्रबन्ध में शोधकर्ता ने शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के बारे में जानकारियाँ प्राप्त की हैं,

जिनका शैक्षिक निहितार्थ इस रूप में निकलता है—

विभिन्न गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की भविष्य की सुविधाओं आदि के बारे में प्रबन्धकों को सार्थक रूप से प्रयास करना चाहिए ताकि शिक्षक संतुष्टि स्तर में सुधार ला सकें।

प्रबन्धकों एवं व्यवस्थापकों को शिक्षकों के साथ तानाशाही रवैया अपनाने के बजाय मित्रवत व्यवहार करना चाहिए ताकि शिक्षक के पद की गरिमा बनी रहे।

संस्थाओं में कार्य विभाजन उचित रूप से होना चाहिए जिससे सभी शिक्षकों को समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर भी प्राप्त हो सकें।

शिक्षक शिक्षिकाओं को भी राजनीति में पड़े बिना पूरी लगन और निष्ठा के साथ अपने कार्यों से विद्यालयों  
dks fur ubl Åvkbz ka nus dk iz kl djuk pkfg, A mluga Nk=&Nk=kvka dks vf/kd l s vf/kd i kRl kfgR  
djus ds l kFk gh fo |ky; ds iR; d dk; Z ea c<+p<+dj Hkxk yuk pkfg, A

Lohdfr

ea MKWl at; d ekj th , u-vkbzvkbl, y-, e fo"fo+ky; ds ifr vi uk vkHkj i dV djuk pkgrh gW  
ftuds l g; kx vkj mfrpr ekxh"ku l s gh ea vi uk dk; Z i vk dj ik; h gW

### I UnHkZ xDfK l fip **BIBLIOG**

vkulln], l Oih 1977 Ldny Vhpl l tkt& l SVI QD"ku ch , DI VbZtu , .M U; j kSVI hte] bf.M; u  
, t p"ku y fj0; 68&78

vk>k शैलजा 1972 ए स्टडी आफ जॉब सैटिसफैक्ट"ku vkQ l ds Mh Ldny  
Vhpl l, e0, MOfMI j V"ku] ch0, p0; 0

nhf{kr] ehuk 1985 bQDV vkQ Vhfpax , DI fi j; UI vku nk yoy vkQ tkt l SVI QD"ku , ex  
l ds Mh Ldny Vhpl l l kbDykftdy fj l pZ 8¼ 1¼ 43&46

bWju"ku y tu j y , dMfed fj l pZ bu fctus , .M l k" k; y l kb l ] ebZ 2013] okY; e 3] u0 5  
&155 u0 2222&6990

bWju"ku y tu j y vkQ , t p"ku , .M l kbDykftdy fj l pZ ¼vkbl ts b ih vkj ½ okY; e 4] b"; q 4]  
fni Ecj 2015

tk; l oky j f"m (2007) शैक्षिक एवं रूपासायिक निर्दे"ku foukn i rd eflnj vkxjka

nkl vkj l h+ ¼ 1995 ¼f" k{k.k i Hko" khyrkb u"ku y ifcyd"ku gkÅ l ] ubZ fnYyh

fd d l SVd] vkj0 , u0¼1962½ n fjy"ku fl i vkQ tkt l SVI QD"ku Vw ij l hoM LVkkQ i æk"ku y  
i kfyfVDI vui fcyLM MkDVjy fFkl l ] LVu QkMZ ; fuofl Mh +

**Abdillah M.M and parasuraman B (2009) "JOB Satisfaction among secondary school teachers "journal kmounusiaan vol.13(1)pp 10-17**

**Method approach international conference on education 26-29 2008Athes Greece.**



## **International Journal of Research in Social Sciences**

Volume 9, Issue 5 (May 2019)

ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081

Journal Homepage: <http://www.ijmra.us>, Email: [editorijmie@gmail.com](mailto:editorijmie@gmail.com)

Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

---

**[HTTPS//HL.M.WIKIPEDIA.ORG](https://hl.m.wikipedia.org)**

<https://pdtripathi.wordpress.com>

[www.eikiwand.com](http://www.eikiwand.com)

[www.tendfonline.com](http://www.tendfonline.com)

[www.tetsuccesskey.com](http://www.tetsuccesskey.com)